जल संयन्त्र की जानकारी लेते हुए नर्सिंग एएनएम की छात्राएं

दिनांक : 02 सितम्बर, 2024 | सोमवार को रामगढ़ताल रामपुर, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में स्थित जल संयन्त्र का भ्रमण महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने किया। यह कॉलेज की तरफ से शैक्षणिक भ्रमण रहा। इसमें एएनएम प्रथम वर्ष की कुल 50 छात्राएं एवं दो शिक्षिकाएं (अनु पटेल और साक्षी गुप्ता) शामिल रहीं।

यह भ्रमण कॉलेज परिसर से प्रातः 10:10 पर प्रारम्भ हुआ, जिसमें जल संयन्त्र पहुंचने का समय 11:30 रहा और कॉलेज परिसर में वापसी का समय 1:30 रहा। विश्वविद्यालय से संयन्त्र तक की कुल दूरी 18 किलोमीटर रही, छात्राओं को जल संयन्त्र के प्रभारी अनुराग श्रीवास्तव और प्रबंधक हनुमंत उपाध्याय ने कुछ महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी। जिसमें सबसे पहले छात्राओं को जल संयन्त्र के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया गया। उनको वहां के कुल संयंत्र प्रयोगशाला, प्रतिदिन कुल जल के सफाई का लागत, जल संयंत्र के विभिन्न तरीके, स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े लाभ, वातावरण की सफाई–सफाई इत्यादि से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि सीवेज जल उपचार के लिए क्लोरीनीकरण अथवा अन्य कई केमिकल्स का इस्तेमल करते हुए मुख्य रूप से चार तरीके अपनाएं जाते हैं। भौतिक, जैविक, रसायन और किचड़ जल उपचार इन तरीकों का पालन करके उचित जल की सभी दूषित पदार्थो को सूक्ष्म जीव से रहित किया जाता है और उपचार जल में परिवर्तित किया जाता है, जो मानव उपयोग और पर्यावरण दोनों के लिए सुरक्षित होता हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि गोरखपुर क्षेत्र में दो सीवेज उपचार संयन्त्र का निर्माण किया गया है जिसमें एक सूर्यकुंड में स्थित है। सरकार द्वारा प्रति वर्ष इसके लिए 66 लाख रुपए प्रदान किये जाते हैं, जिसमें से 6000 रुपये प्रति मि.ली. प्रतिदिन का लागत है। अंत में वह कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुविधाएं हेतु पीपीई किट, दवाइयां, आपातकालीन प्रोटोकॉल, कुल कर्मचारियों की संख्या तथा उपकरणों इत्यादि के इस्तेमाल से जुड़ी जानकारियां दी।